BIHAR SHODH SAMAAGAM
Multidisciplinary, Multi-Lingual, Peer Reviewed Open Access Journal
issn : 3048-6971
Vol. 2, Issue 4, October-December 2024
Available online : https://www.biharshodhsamaagam.com/

शाला मे अधिगम अनुकूल वातावरण

किशोर कुमार शर्मा

प्रधान पाठक

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बैहाटोला

ब्लॉक - खैरागढ़ ,जिला – खैरागढ़ –छुईखदान – गंडई

प्रस्तावना - अधिगम अनुकूल वातावरण बनाने के लिए कक्षा में शिक्षण पद्धति में सुधार की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी, छात्रों के लिए गतिविधियों का उपयोग करना, विषय को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों से जोड़ना, खुली चर्चाओं को प्रोत्साहित करने विभिन्न गतिविधयां कराना

प्रसिद्द मनोवैज्ञानिक और लेखक "स्किनर" का कथन है सीखने का आधार किसी आवश्यकता की पूर्ति की प्रक्रिया में होता है अर्थात कोई भी प्राणी उसी कार्य को सीखता है जिसमें उसकी किसी आवश्यकता की पूर्ति होती है। स्किनर ने हल् के इस सिद्धांत को अधिगम का सर्वश्रेष्ठ सिद्धांत बताया है क्योंकि यह आवश्यकता व प्रेरणा पर बल देता है इसलिए शिक्षार्थी को प्रेरित करके ही सिखाया जाता है.

सरल अधिगम– आकस्मिक अधिगम– बालक जब स्वतः ही स्वतंत्र रूप से कार्य करते हुए कुछ सीख जाता है, तो उसे स्वतंत्र अधिगम कहते हैं। स्वायत्ता अधिगम– इस प्रकार के अधिगम में बालक प्राकृतिक रूप में सीखता है। वह अपनी अंतर्दृष्टि के आधार पर समस्याओं का विश्लेषण कर उन्हें सुलझाता है। आकस्मिक अधिगम– यह अधिगम अनायास ही घटित हो जाता है।

1.आपसी वार्तालाप के साथ मॉडल प्रदर्शन - बच्चों द्वारा समझ विकसित करने व बाकी बच्चों के साथ चर्चा कर आपसी वार्तालाप के साथ मॉडल प्रदर्शन ।

2.लय-ताल के साथ पढ़ना - आनन्दमय वातावरण निर्मित कर पाठ को रुचिकर बनाकर

BIHAR SHODH SAMAAGAM
Multidisciplinary, Multi-Lingual, Peer Reviewed Open Access Journal
issn : 3048-6971
Vol. 2, Issue 4, October-December 2024
Available online : https://www.biharshodhsamaagam.com/

सामुहिक लय-ताल के साथ पढ़ना ।

3. अभिव्यक्ति का पहला माध्यम - अनेक स्रोतों सर ज्ञात हो चुका है कि कला के माध्यम से इंसान की अभिव्यक्ति का पहला माध्यम है । इसे योग की तरह माना गया है । अतः प्रायः शाला में इन गतिविधियों को कराता हूँ ।

4. अधिगम अनुकूल वातावरण - बच्चों में सृजनात्मक कौशल को समृद्ध करने और उनके समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए अधिगम अनुकूल वातावरण बनाने कक्षा में शिक्षण पद्वति में सुधार की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी और छात्रों के लिए समृद्ध गतिविधियों का उपयोग करने तथा विषय को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों से जोड़ते हुए अनेक गतिविधियां की जाती है । जैसे मूर्तिकला का प्रशिक्षण, लगातार 5 वर्षों से 15 अगस्त, 26 जनवरी को अलग अलग विषयों में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन, मूर्तिकला का प्रशिक्षण आयोजन आदि ।

4. चित्रकला एवं मूर्तिकला का आयोजन - बच्चों को मूर्तिकला का प्रशिक्षण एवं विभिन्न विषयों में बच्चों का चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है ।

5. समग्र विकास - बस्ताविहीन कार्यक्रम का आयोजन जिसमे विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों का समग्र विकास करना इसके तहत पूर्व व वर्तमान शालाओं में मिट्टी कला सिखाना ।

6. शाला में व्यवसायिक शिक्षा - शिक्षा कला गतिविधियों का प्रोफ़ाइल , मीडिया न्यूज, सोशल मीडिया से प्रभावित होकर श्री योगेंद्र जी अध्यक्ष कला परिषद संस्कृति विभाग ,छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा माननीय मुख्यमंत्री जी भूपेश बघेल जी के अध्यक्षता में आयोजित बैठक में चर्चा उपरांत छत्तीसगढ़ के शालाओं में बेगलेश डे घोषणा की गई थी । शाला में व्यवसायिक शिक्षा की सुरुआत जिसके पश्चात माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारासभी स्कूलों में शनिवार को बेगलेस की सुरूआत हुई है । जिसमे बच्चों के हुनर को

BIHAR SHODH SAMAAGAM
Multidisciplinary, Multi-Lingual, Peer Reviewed Open Access Journal
issn : 3048-6971
Vol. 2, Issue 4, October-December 2024
Available online : https://www.biharshodhsamaagam.com/

आगे बढ़ाते हुए उनके अंदर सृजनात्मक भाव को प्रोत्साहित करते हुए समग्र विकास करना।

7. समग्र विकास को प्रोत्साहित -चर्चा के माध्यम से बच्चों के समझ को बढ़ाना । इसमे आमन्त्रित अतिथि के तहत शिक्षित माताओं को आमंत्रित किया गया था पनिता वर्मा के द्वारा अनेक विषयों पर बात कर बच्चों से खुली चर्चा कर एवं बच्चों को गीत के माध्यम से सिखाया और उनके समग्र विकास को प्रोत्साहित किया गया था ।

8. उत्साह वर्धन के लिए आमंत्रित- बेगलेस के तहत प्रत्येक शनिवार को आयोजित किया जाता है । जिसमें बच्चों को प्रोत्साहित करने प्रदर्शनी लगाई जाती है साथ ही उनके पालकों को उत्साह वर्धन के लिए आमंत्रित भी किया जाता है ।

8. अधिकारी द्वारा उद्बोधन - कैरियर, कम्युनिकेशन स्किल, व व्यक्तित्व विकास पर आमंत्रित सहायक संचालक एवं जिला नोडल अधिकारी द्वारा उद्बोधन किया गया था।

9. खुली चर्चाओं को प्रोत्साहित- जनपद पंचायत के सी ई ओ द्वारा - सर खुली चर्चाओं को प्रोत्साहित करनेऔर बच्चों के समझ विकसित करने और बाहरी दुनिया से जोड़ने शाला में अतिथियों को आमंत्रित किया जाता है इसी कड़ी में जनपद पंचायत के सी ई ओ सर द्वारा बच्चों के समक्ष अपनी जीवनी और पढ़ाई में आने वाली अवरोध और उनसे निपटने वाले सुझाव को साझा किया गया था ।

10. सृजनात्मक कौशल का विकास भोपाल से आमंत्रित श्री प्रवीण मूर्तिकार जी द्वारा - बच्चों में कलात्मक अभिरुचि को जागृत करने मिट्टी , चित्रकारी आदि गतिविधियों के माध्यम से उनके अंदर सृजनात्मक कौशल का विकास किया जाता है । इसके तहत भोपाल से आमंत्रित श्री प्रवीण मूर्तिकार जी बच्चों के बीच पहुँचे थे ।

11. अनेक गतिविधियों के माध्यम शैक्षिक वातावरण के कारण शासन द्वारा बेगलेश क्रियान्वयन हेतु मेरे पूर्व व वर्तमानशाला को चयन किया गया था।

BIHAR SHODH SAMAAGAM
Multidisciplinary, Multi-Lingual, Peer Reviewed Open Access Journal
issn : 3048-6971
Vol. 2, Issue 4, October-December 2024
Available online : https://www.biharshodhsamaagam.com/

12 . सीखने के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए कक्षा में शिक्षण प्रथाओं में सुधार की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी, छात्रों के लिए संवर्धन गतिविधियों का उपयोग करना, विषय को वास्तविक जीवन की स्थिति से जोड़ना, खुली चर्चा को प्रोत्साहित करना, आदि।

निष्कर्ष - सीखना या अधिगम एक व्यापक सतत् एवं जीवन पर्यन्त चलनेवाली महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मनुष्य जन्म के उपरांत ही सीखना प्रारंभ कर देता है और जीवन भर कुछ न कुछ सीखता रहता है। धीरे-धीरे वह अपने को वातावरण से समायोजित करने का प्रयत्न करता है।

संदर्भ –

1 समग्र शिक्षा ,स्कूल शिक्षा विभाग , छत्तीसगढ़ पृष्ट संख्या 23

2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति योजना 2022